Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

अनुक्रमणिका

मंगलकामना 1

समर्पण 2

प्रकाशकीय 3

प्राक्कथन 4

कैलास श्रुतसागर सूची प्रकाशन की रूपरेखा 5-6

प्रस्तुत हस्तप्रत सूचीगत सूचनाओं का स्पष्टीकरण 6-9

हस्तप्रत सूचीकरण सहयोग सौजन्य 10

प्रस्तुत सूची में प्रयुक्त संक्षेप व संकेत 11-12

अनुक्रमणिका 13

हस्तप्रत सूची 1-466

परिशिष्ट: कृति परिवार की मूल कृति के अकारादि क्रम से - परिचय.. 467-469

१. कृति नाम से प्रत-पेटाकृति क्रमांक सूची
(संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंशादि) 470-527

२. कृति नाम से प्रत-पेटाकृति क्रमांक सूची
(मा.गु., प्राचीन हिन्दी, राजस्थानी आदि) 528-590

प्रस्तुत सूची पत्र में निम्नलिखित संख्या में सूचनाओं का संग्रह है.

- प्रत क्रमांक - १३८२६ से १७३००.
- इस सूचीपत्र में मात्र जैन कृतियों वाली प्रतों का ही समावेश किए जाने के कारण वास्तविक रूप से २५६२ प्रतों का समावेश इस खंड में हुआ है.
- समाविष्ट प्रतों में कुल २४८५ कृति परिवारों का समावेश हुआ है.
- इन परिवारों की कुल ३१९६ कृतियों का समावेश हुआ है.
- उपरोक्त कृतियाँ प्रतों में कुल ५४२० बार आई हैं.

For Private And Personal Use Only